समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 28 August 2026

अंडमान मे प्रांकृतिक गैस की बड़ी खोज : भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा मे कंदम

Publisher

Published on 01 Oct 2025

भारत ने अंडमान बेसिन में **प्राकृतिक गैस का बड़ा भंडार** खोज कर ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। यह खोज **ऑयल इंडिया लिमिटेड (OIL)** ने की है और केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री **हरदीप पुरी** ने इसकी जानकारी सार्वजनिक की। इस खोज को भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

अंडमान बेसिन में यह प्राकृतिक गैस भंडार न केवल भारत की घरेलू ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा, बल्कि देश को अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में अधिक सशक्त स्थिति प्रदान करेगा। इस खोज से भारत अमेरिका, रूस और सऊदी अरब जैसी वैश्विक ऊर्जा महाशक्तियों के सामने आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करेगा।

अंडमान बेसिन और खोज की विशेषताएँ

अंडमान बेसिन, जो बंगाल की खाड़ी में स्थित है, लंबे समय से ऊर्जा विशेषज्ञों और तेल एवं गैस कंपनियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। ऑयल इंडिया लिमिटेड ने नवीनतम तकनीकी उपकरणों और भूवैज्ञानिक अध्ययन के माध्यम से प्राकृतिक गैस के संभावित भंडार का पता लगाया।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा, “यह खोज भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नई दिशा देगी। अब हम विदेशी ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम कर सकते हैं और देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।” उन्होंने यह भी कहा कि इस खोज से घरेलू गैस उत्पादन में वृद्धि होगी और गैस की कीमतों पर स्थिरता आएगी।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता

भारत में ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और घरेलू उपयोग के कारण देश को ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। अंडमान में प्राकृतिक गैस का भंडार भारत को इस दिशा में आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा।

इस खोज के साथ ही भारत अपने ऊर्जा भंडार और उत्पादन क्षमता में सुधार कर वैश्विक ऊर्जा बाजार में अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है। यह खोज घरेलू उद्योगों के लिए भी लाभकारी होगी, क्योंकि गैस की उपलब्धता से ऊर्जा लागत में कमी और उत्पादन क्षमता में वृद्धि संभव है।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य

विश्व स्तर पर ऊर्जा क्षेत्र में अमेरिका, रूस और सऊदी अरब जैसी महाशक्तियाँ प्रमुख भूमिका निभाती हैं। अंडमान में प्राकृतिक गैस की खोज से भारत भी इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने के करीब पहुंच गया है। यह खोज न केवल देश की आत्मनिर्भरता बढ़ाएगी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सहयोग और व्यापार के अवसर भी बढ़ाएगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज भारत को LNG (Liquefied Natural Gas) निर्यात की संभावनाओं पर विचार करने का अवसर भी दे सकती है। यदि सही ढंग से निवेश और उत्पादन किया जाए, तो भारत भविष्य में ऊर्जा निर्यात में भी योगदान दे सकता है।

आर्थिक और सामाजिक प्रभाव

अंडमान बेसिन में प्राकृतिक गैस की खोज का सीधा लाभ देश की अर्थव्यवस्था को मिलेगा। इस खोज से **ऑयल इंडिया लिमिटेड** और संबंधित कंपनियों के लिए निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इसके अलावा, ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में उद्योगों को सस्ती और स्थिर ऊर्जा उपलब्ध होगी।

सामाजिक दृष्टि से भी यह खोज महत्वपूर्ण है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, स्थानीय समुदायों के विकास और ऊर्जा की सुलभता सुनिश्चित करने में मदद करेगी। इससे लोगों की जीवन शैली में सुधार और आर्थिक समृद्धि के अवसर बढ़ेंगे।

पर्यावरण और सतत विकास

ऑयल इंडिया लिमिटेड ने यह भी कहा कि अंडमान में प्राकृतिक गैस का उत्पादन पर्यावरण के अनुकूल और सतत विकास के मानकों के अनुरूप किया जाएगा। यह कदम भारत को जलवायु परिवर्तन के खतरे को कम करने और हरित ऊर्जा विकल्पों को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

अंडमान बेसिन में प्राकृतिक गैस की यह खोज भारत के लिए **एक नया युग और ऊर्जा आत्मनिर्भरता का अवसर** लेकर आई है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी के नेतृत्व में यह पहल न केवल भारत को घरेलू ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करेगी, बल्कि वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में देश की स्थिति को भी मजबूत करेगी।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.